SPECIAL MENTIONS

Need to allot two special compartments for vegetable and milk suppliers in Mokmeh-Patna Shuttle train

श्रीमती कमला सिन्हा (बिहार) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपकी इजाजत से रेल मंत्री महोदय का ध्यान एक बहुत ही आवश्यक विषय पर आकर्षित करना चाहती हूं। . . . **(व्यवधान)** . . .

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. CHANDRESH P. THAKUR): I am sorry. You are an elderly person. You must accept the decorum of the House. The next item has been called. The lady Member is already on her legs. She has started speaking. You are frequently getting up. This is not helping you. Nor is it helping anybody else. It is not serving any purpose. So, please cooperate.

श्रीमती कमला सिन्हा : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपकी इजाजत से रेल मंत्री महोदय का एक बहुत ही आवश्यक विषय की ओर ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं। मुकामा-पटना के बीच एक शटल-ट्रेन चलती है। इस रास्ते की लंबाई करीब 70 किलोमीटर होगी। इस रास्ते पर प्रतिदिन हजारों लोग मुकामा से पटना काम करने के लिए आते हैं और उसी तरह से सैकड़ों मन दूध और तरकारी भी आती है। मैंने यह स्पेशल मेंशन इसलिए उठाया कि प्रति दिन दूध वालों, सब्जी वालों और डेली पैसंजर्स के बीच आपस में झगड़ा झंझट, मारपीट होती रहती है जगह की परेशानी के कारण उस दिन भी 16 अप्रैल को जो आग लग गई थी, उस दिन भी रेल के डिब्बे के तीन दरवाजे बंद थे दूध के टीनों के कारण और एक दरवाजा खुला था, जिससे आग के कारण सौ के करीब लोग जलकर मर गए।

महोदय, जब मैं वहां थी तो मेरे पास लोग आए और उन्होंने मुझे कहा कि रेल मंत्री महोदय को कहा जाय कि दो स्पेशल रेक उसमें जोड़े जायं ताकि तरकारी और दूध वाले तरकारी और दूध ले जा सकें। उसी संदर्भ में, उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगी कि इस काम को किया जाय और तत्काल पटना-मुकामा शटल में दो स्पेशल रेक जोड़े जायं, जिससे सब्जी वाले और दूध वाले अपनी सब्जी और दूध आसानी से ले जा सके और नित-प्रतिदिन जो हजारों डेली पैसेंजर्स चलते हैं, उनको कठिनाई न हो। धन्यवाद।

उपसभाध्यक्ष (प्रो० चन्द्रेश पी० ठाकुर) : बात ठीक है। कुमारी सरोज खापर्डे, प्लीज ब्रीफ।

Rising prices of essential commodities

कुमारी सरोज खापर्डे (महाराष्ट्र) : उपसभाध्यक्ष महोदय, अखबार की खबर की ओर मेरा ध्यान आकर्षित हुआ और उसी वजह से मैंने प्राइस-राइस के ऊपर अनुमति मांगी, जो आपने प्रदान की, उसके लिए मैं अत्यन्त आभारी हूं।

महोदय, मैं इस विशेष उल्लेख के द्वारा आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगी इस बात की तरफ, कि सरकार ने गेहूं की खरीद-मूल्य में जो वृद्धि की है, वह तो ठीक है, लेकिन इस बात पर उनके द्वारा विचार नहीं किया गया कि इसके कारण मूल्यों में कितनी वृद्धि हो सकती है और कितने उससे काश्तकारों को फायदे पहुंच सकते हैं? सरकार ने गेहूं का खरीद मूल्य बढ़ाकर 200/- रुपया कर दिया और इस बात को कहकर किया कि किसानों को उससे बड़े पैमाने पर फायदा पहुंच सकेगा। सरकार ने यह दावा किया कि किसानों को इससे लाभ पहुंचेगा। उनका जो दावा है, ऐसा प्रतीत होता है कि एबसोल्यूटली खोखला है। वास्तव में इस मूल्य-वृद्धि से बड़े किसानों को फायदा अवश्य पहुंचेगा, लेकिन जो छोटा किसान है उसे किसी भी प्रकार का लाभ होने